



Seat No. _____

HV-1601100301020302

B. A. (Sem. II) (CBCS) (W.E.F. 2016) Examination

May - 2023

Sanskrit : Paper - 3

(Mahabharat Ramopakhyam)

(Optional) (Elective - II) (Old Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours / Total Marks : 70

- | | | |
|-----|--|----|
| १ | कोष्ठपश्च चार श्लोकानुं भाषांतर करो : | १४ |
| 1 | Translate any four verses : | 14 |
| (1) | पराजयं च संग्रामे ससहायः समाप्तवान्।
प्रत्याहता तथा स्माभिहैत्वा तत् सैन्धवं बलम्॥ | |
| (2) | कस्मिन् रामः कुले जातः किंवीर्य किम्पराक्रमः।
रावणः कस्य पुत्रो वा किं वैरं तस्य तेन॥ | |
| (3) | पुष्पोत्कटायां जज्ञाते द्वौ पुत्रौ राक्षसेश्वरौ।
कुम्भकर्णदशग्रीवौ बलेनाप्रतिमौ भुमौ॥ | |
| (4) | न स देवासुरैः शक्यो युद्धे जेतुं विभावसो।
विहितं तत्र यत् कार्यमभितस्यस्य निग्रहः॥ | |
| (5) | अभिषेकाय रामस्य यौवराज्येन भारत।
प्राप्तकालं च ते सर्वे मेनिरे मन्त्रिस्तमाः॥ | |
| (6) | हा सीते लक्ष्मणेत्येवं चक्रेशार्तस्वरेण ह।
शुश्राव तस्य वैदेही ततस्तां करुजां गिरम्॥ | |
| (7) | शब्दं च घोरं सत्वानां दावाग्नेरिव वर्धतः।
अपश्येतां मुहूर्ताच्च कबन्धं घोरदर्शनम्॥ | |
| (8) | एषा पम्या शिवजला हंसकारण्डवायुता।
ऋष्यमूकस्य शैलस्य संनिकर्षे तटाकिनी॥ | |

- ૨ યન્ન ભારતે તન્ન ભારતે। વિધાન સમજાવો. ૧૪
- 2 Explain યન્ન ભારતે તન્ન ભારતે વાક્યમ્। 14
- અથવા / OR**
- 2 મહાભારતે વ્યાસસ્ય કાવ્યશૈલી વૈશિષ્ટ્યમ્। 14
- 3 જય-ભારત-મહાભારતસ્ય વિકાસપરંપરા। 14
- અથવા / OR**
- 3 રામોપાખ્યાને સીતાયાઃ પાત્રાલેખનમ્। 14
- 4 રામોપાખ્યાને હનુમતઃ લક્ષ્મણમન વર્ણનમ્। 14
- અથવા / OR**
- 4 રામોપાખ્યાને રામ-રાવણયોઃ યુદ્ધસ્ય વર્ણનમ્ – વિજયશ્વ। 14
- ૫ કોઈપણ બે ટૂંકનોંધ લખો : ૧૪
- 5 Write any **two** short notes : 14
- (1) રામોપાખ્યાને વાલીપુત્ર અંગદઃ।
- (2) રામોપાખ્યાને દૈવીપાત્રપ્રભાવઃ।
- (3) મારિચવધ પ્રસન્નઃ।
- (4) જટાયુવૃત્તાન્તઃ।
-